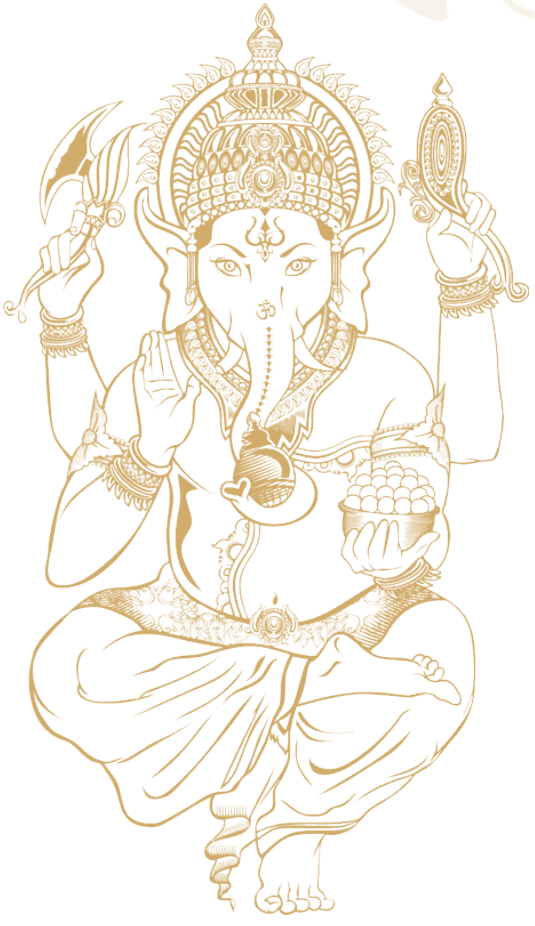

Shikha Pandey

25 Jan 1996

06:05 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120258411

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/01/1996**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**06:05:00 घंटे**
इष्ट	57:08:49 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:55 घंटे
साम्पातिक काल	13:58:20 घंटे
सूर्योदय	07:13:28 घंटे
सूर्यास्त	17:52:55 घंटे
दिनमान	10:39:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:30:33 मकर
लग्न के अंश	21:21:33 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:21:33	360:41:40	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	10:30:33	01:01:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	11:17:12	13:31:18	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	19:13:34	00:47:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध	व		धनु	27:22:51	00:47:01	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	10:59:18	00:12:49	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	18:08:23	01:12:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	27:35:22	00:05:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		कन्या	26:32:17	00:01:34	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	26:32:17	00:01:34	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:56:38	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:46:50	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:49:43	00:01:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	07:56:58	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:15

लग्न-चलित

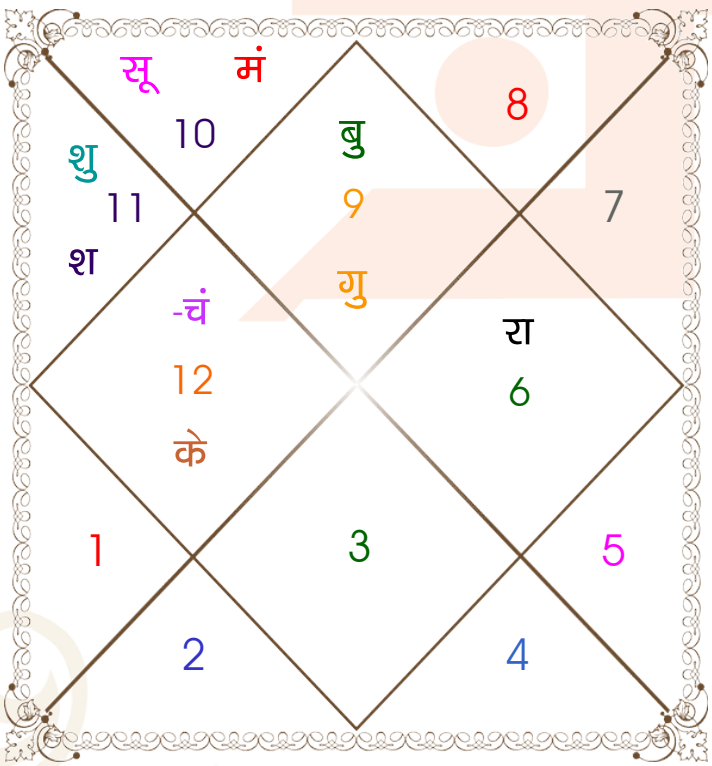

चन्द्र कुंडली

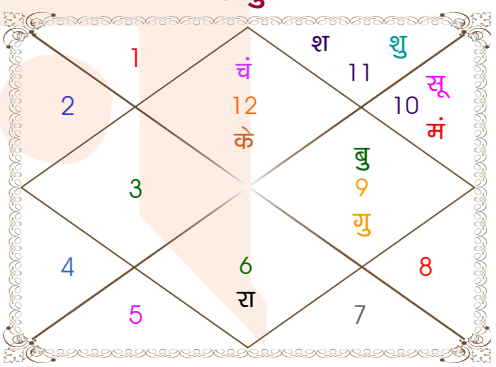

नवमांश कुंडली

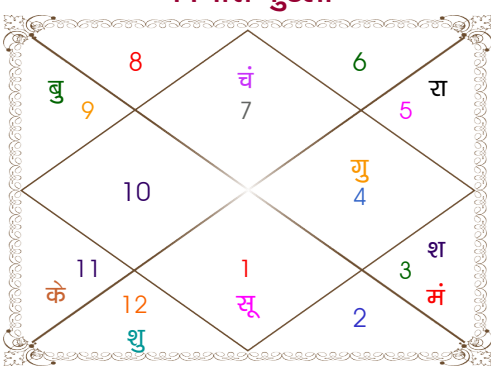

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 7 मास 30 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/01/1996		25/09/2003		24/09/2020		25/09/2027		25/09/2047	
25/09/2003		24/09/2020		25/09/2027		25/09/2047		25/09/2053	
	00/00/0000	बुध	21/02/2006	केतु	20/02/2021	शुक्र	25/01/2031	सूर्य	13/01/2048
	00/00/0000	केतु	18/02/2007	शुक्र	23/04/2022	सूर्य	25/01/2032	चंद्र	13/07/2048
	00/00/0000	शुक्र	19/12/2009	सूर्य	28/08/2022	चंद्र	25/09/2033	मंगल	18/11/2048
	00/00/0000	सूर्य	25/10/2010	चंद्र	29/03/2023	मंगल	25/11/2034	राहु	13/10/2049
	25/01/1996	चंद्र	26/03/2012	मंगल	26/08/2023	राहु	24/11/2037	गुरु	01/08/2050
चंद्र	29/03/1997	मंगल	23/03/2013	राहु	12/09/2024	गुरु	25/07/2040	शनि	14/07/2051
मंगल	08/05/1998	राहु	10/10/2015	गुरु	19/08/2025	शनि	25/09/2043	बुध	19/05/2052
राहु	14/03/2001	गुरु	15/01/2018	शनि	28/09/2026	बुध	26/07/2046	केतु	24/09/2052
गुरु	25/09/2003	शनि	24/09/2020	बुध	25/09/2027	केतु	25/09/2047	शुक्र	25/09/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/09/2053		25/09/2063		25/09/2070		24/09/2088		25/09/2104	
25/09/2063		25/09/2070		24/09/2088		25/09/2104		00/00/0000	
चंद्र	26/07/2054	मंगल	21/02/2064	राहु	07/06/2073	गुरु	12/11/2090	शनि	29/09/2107
मंगल	24/02/2055	राहु	11/03/2065	गुरु	01/11/2075	शनि	26/05/2093	बुध	08/06/2110
राहु	25/08/2056	गुरु	15/02/2066	शनि	06/09/2078	बुध	01/09/2095	केतु	18/07/2111
गुरु	25/12/2057	शनि	26/03/2067	बुध	26/03/2081	केतु	07/08/2096	शुक्र	17/09/2114
शनि	26/07/2059	बुध	23/03/2068	केतु	13/04/2082	शुक्र	08/04/2099	सूर्य	30/08/2115
बुध	25/12/2060	केतु	19/08/2068	शुक्र	13/04/2085	सूर्य	25/01/2100	चंद्र	26/01/2116
केतु	26/07/2061	शुक्र	19/10/2069	सूर्य	08/03/2086	चंद्र	27/05/2101		00/00/0000
शुक्र	26/03/2063	सूर्य	24/02/2070	चंद्र	07/09/2087	मंगल	03/05/2102		00/00/0000
सूर्य	25/09/2063	चंद्र	25/09/2070	मंगल	24/09/2088	राहु	25/09/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीतांबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com